

## सुब्रह्मण्य अष्टोत्तर शत नामावलि

- ॐ स्कन्दाय नमः  
 ॐ गुहाय नमः  
 ॐ षण्मुखाय नमः  
 ॐ फालनेत्र सुताय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ पिङ्गलाय नमः  
 ॐ कृत्तिकासूनवे नमः  
 ॐ सिखिवाहाय नमः  
 ॐ द्विषण्णे त्राय नमः ॥ 10 ॥  
 ॐ शक्तिधराय नमः  
 ॐ फिशिताश प्रभञ्जनाय नमः  
 ॐ तारकासुर संहार्त्रे नमः  
 ॐ रक्षोबलविमर्द नाय नमः  
 ॐ मत्ताय नमः  
 ॐ प्रमत्ताय नमः  
 ॐ उन्मत्ताय नमः  
 ॐ सुरसैन्य स्सुरक्ष काय नमः  
 ॐ दीवसेनापतये नमः  
 ॐ प्राज्ञाय नमः ॥ 20 ॥  
 ॐ कृपालवे नमः  
 ॐ भक्तवत्सलाय नमः  
 ॐ उमासुताय नमः  
 ॐ शक्तिधराय नमः  
 ॐ कुमाराय नमः  
 ॐ क्रौञ्च दारणाय नमः  
 ॐ सेनानिये नमः  
 ॐ अग्निजन्मने नमः  
 ॐ विशाखाय नमः  
 ॐ शङ्करात्मजाय नमः ॥ 30 ॥  
 ॐ शिवस्वामिने नमः  
 ॐ गुण स्वामिने नमः  
 ॐ सर्वस्वामिने नमः  
 ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ अनन्त शक्तिये नमः

- ॐ अक्षोभ्याय नमः  
 ॐ पार्वतिप्रियनन्दनाय नमः  
 ॐ गङ्गासुताय नमः  
 ॐ सरोद्धूताय नमः  
 ॐ अहूताय नमः ॥ 40 ॥  
 ॐ पावकात्मजाय नमः  
 ॐ जुम्भाय नमः  
 ॐ प्रजुम्भाय नमः  
 ॐ उज्जुम्भाय नमः  
 ॐ कमलासन संस्तुताय नमः  
 ॐ ऐकवर्णाय नमः  
 ॐ द्विवर्णाय नमः  
 ॐ त्रिवर्णाय नमः  
 ॐ सुमनोहराय नमः  
 ॐ चतुर्वर्णाय नमः ॥ 50 ॥  
 ॐ पञ्च वर्णाय नमः  
 ॐ प्रजापतये नमः  
 ॐ आहारपतये नमः  
 ॐ अग्निगर्भाय नमः  
 ॐ शमीगर्भाय नमः  
 ॐ विश्वरेतसे नमः  
 ॐ सुरारिघ्ने नमः  
 ॐ हरिद्वर्णाय नमः  
 ॐ शुभकाराय नमः  
 ॐ वटवे नमः ॥ 60 ॥  
 ॐ वटवेष भुते नमः  
 ॐ पूषाय नमः  
 ॐ गभस्तिये नमः  
 ॐ गहनाय नमः  
 ॐ चन्द्रवर्णाय नमः  
 ॐ कलाधराय नमः  
 ॐ मायाधराय नमः  
 ॐ महामायिने नमः  
 ॐ कैवल्याय नमः  
 ॐ शङ्करात्मजाय नमः ॥ 70 ॥  
 ॐ विस्वयोनिये नमः  
 ॐ अमेयात्मा नमः  
 ॐ तेजोनिधये नमः

ॐ अनामयाय नमः  
 ॐ परमेष्टिने नमः  
 ॐ परब्रह्मय नमः  
 ॐ वेदगर्भाय नमः  
 ॐ विराट्सुताय नमः  
 ॐ पुलिन्दकन्याभर्ताय नमः  
 ॐ महासार स्वतावृताय नमः ॥ 80 ॥  
 ॐ आश्रित खिलदात्रे नमः  
 ॐ चोरघ्नाय नमः  
 ॐ रोगनाशनाय नमः  
 ॐ अनन्त मूर्तये नमः  
 ॐ आनन्दाय नमः  
 ॐ शिखिण्डिकृत केतनाय नमः  
 ॐ डम्भाय नमः  
 ॐ परम डम्भाय नमः  
 ॐ महा डम्भाय नमः  
 ॐ कृपाकपये नमः ॥ 90 ॥  
 ॐ कारणोपात्त देहाय नमः  
 ॐ कारणातीत विग्रहाय नमः  
 ॐ अनीश्वराय नमः  
 ॐ अमृताय नमः  
 ॐ प्राणाय नमः  
 ॐ प्राणायाम पारायणाय नमः  
 ॐ विरुद्धहन्त्रे नमः  
 ॐ वीरघ्नाय नमः  
 ॐ रक्तास्याय नमः  
 ॐ श्याम कन्धराय नमः ॥ 100 ॥  
 ॐ सुब्र ह्मण्याय नमः  
 ॐ आन् गुहाय नमः  
 ॐ प्रीताय नमः  
 ॐ ब्राह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्राह्मण प्रियाय नमः  
 ॐ वेदवेद्याय नमः  
 ॐ अक्षय फलदाय नमः  
 ॐ वल्ली देवसेना समेत श्री सुब्रह्मण्य स्वामिने नमः ॥ 108 ॥